राजस्थान में कामा, जिला भरतपुर में बाढ़

2062. **श्री राम किशन :** क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत कई वर्षों से राजस्थान के कामा, जिला भरतपुर में बाढ़ के कारण जन और सम्पत्ति की काफी क्षति हुई है और क्या इस क्षति का कारण बाढ़ के पानी की निकासी के लिए हरियाणा और उत्तर प्रदेश के बीच हुए समझौते का पूरी तरह से कार्यान्वित न किया जाना है ;

(ख) क्या राजस्थान के सिंचाई मंत्री ने एक पत्र लिख कर यह मांग की है कि बाढ़ के इस पानी को निकालने वाले नाले का प्रबन्ध केन्द्रीय सरकार अपने हाथ में ले ले ताकी इस समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले तीनों राज्यों के साथ न्याय किया जा सके ; और

(ग) यदि हां, तो इस बारे में केन्द्रीय सरकार द्वारा क्या निर्णय किया गया है ?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भानु प्रताप सिंह) : (क) 1976 और 1977 के वर्षों में काफी लम्बी अवधियों के लिए जल निकास अवरुद्ध हो जाने के कारण राजस्थान के भरतपुर जिले का कामा क्षेत्र बाढ़ आ जाने से जलमग्न हो गया था; जल-निकास अवरुद्ध हो जाने का कारण यह बताया जाता है कि इस क्षेत्र की अन्तर्राज्यीय जल-निकास प्रणाली की क्षमता अपर्याप्त है ।

(ख) और (ग) . राजस्थान के सिंचाई मंत्री ने केन्द्रीय कृषि और सिंचाई मंत्री को पत्र लिख कर यह अनुरोध किया है कि केन्द्र सरकार को इसके प्रचालन का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेना चाहिए ।

उज्जीना-पहाड़ी-कामा-गोवर्धन जल निकास प्रणाली के प्रचालन का नियंत्रण केन्द्र द्वारा अपने हाथ में लेने के सम्बन्ध में एक संकल्प का मसौदा तैयार किया गया है और वह हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सरकारों के पास उनके विचार जानने के लिए और उन प्रस्तावों के बारे में अपनी स्वीकृति की सूचना देने के लिए भेजा गया है। राज्य सरकारों से उत्तर प्राप्त हो गए हैं जिनमें प्रस्तावों के बारे में कुछ शंकाएं प्रकट की गई हैं।

Meeting of Joint River Commission

2063. SHRI KIRIT BIKRAM DEB BURMAN:
SHRI ISHWAR CHAUDHRY:
SHRI D. AMAT:
SHRI ARJUN SINGH BHADORIA:
SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK:
SHRI C. R. MAHATA:
SHRI L. L. KAPOOR:
SHRI G. M. BANATWALLA:
DR. BAPU KALDATE:
SHRI SHYAM SUNDER GUPTA:

Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether any meeting of the Joint Rivers Commission between India and Bangladesh was held this year;

(b) if so, whether the question of construction of spurs in Feni river by Bangladesh and the consequential flooding of Tripura areas this year was considered at that meeting if so, the outcome of the meeting; and

(c) what other proposals by Bangladesh and India were considered at the meeting and what was the outcome thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) At the Fifteenth meeting of Joint Rivers Commission held in July, 1978 the erosion problems of River Feni at Ramgarh/Sabroom and at Dolbari/Begumbazar were considered. The Commission decided that two members of the Joint Rivers Commission, one from each country, would jointly visit the site including that at Begumbazar/Dolbari and make suitable recommendations.

(c) At the Fifteenth meeting, the Commission mainly discussed two